

12/11/24 कनावालिपको दुर। उरुपस अहापनिव

बार बार भक्ति लजारे रि। बाबू उ अलज
अहापनिव। अहा कनावालि उरुपस को उरुप
शजरी स्वारिज की जाती है।

